Inauguration of Bhu-Naksha website for Madhya Pradesh
By Sh. R. K. Chaturvedi, IAS, Principal Secretary, Revenue, GOMP
Dated 11th September 2013

On the initiation of State Informatics Officer, Madhya Pradesh and Technical Support of NIC(HQ) Land Records Division, New Delhi "BhuNaksha" website was conceptualized, designed and developed in consultation with Commissioner, Land Records & Settlement, Madhya Pradesh. The website is an effective, efficient and transparent system towards G2C (Government to Citizen) for dissemination of Plot maps (Naksha) along with copy of Record of Right(ROR).

Land Records website was inaugurated by Sh. R. K. Chaturvedi, IAS, Principal Secretary, Revenue, GOMP during State level video conferencing session on 11th September 2013. Secretary Revenue, Officers from Mantralaya, Divisional Commissioners, Land Records Officials from all Fifty Districts witnessed the event through VC. Link have been provided on land records website of Bhunaksha website. i.e. (www.landrecords.mp.gov.in)

The website is hosted on a very high end server with 32 GB RAM, Windows 2008 (R2) & SQL 2008. With this development website response drastically improved and now with the use of Unicode this website can be viewed on any browser even on Mobile devices.

The website site have been developed in coordination with Shri Vinay Thakur, Head & STD, Mr. Sunish, LRISD, NIC(HQ), New Delhi, Mr. Naveen Panicker, NIC, Land Records Division, Mr. Manoj Singh Chauhan, Supervisor, CLR Office Gwalior. Support of Mr. Sanjay Hardikar, Head & STD and Mr. C.P Gupta, Web-division, NIC, MPSC, Bhopal to resolve server related issues is admirable.

Presently website contains spatial (map) data of 48 districts with 301 tehsils comprising of around 46000 villages. Rest two districts will be made available as soon as data is provided by the dizitiging agency.

Principal Secretary, Revenue, Commissioner Land Records and other officers have appreciated the efforts done by NIC, Land Records Division and Gwalior, NIC(HQ), New Delhi.

Print Media was also published the news of the event.

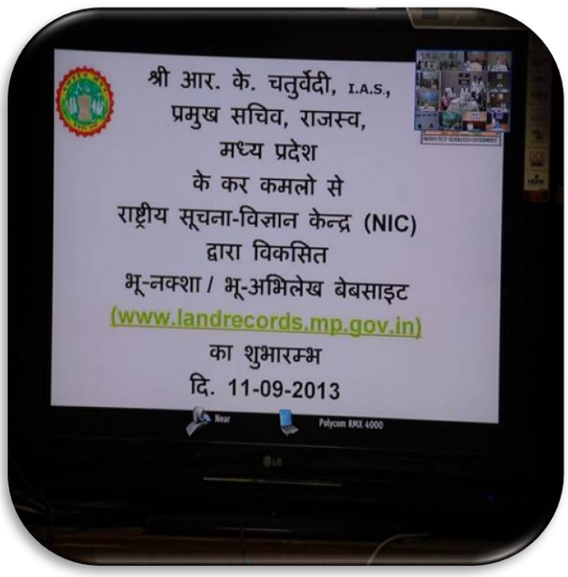

-Rajeev Agrawal, STD & Head, Land Records Div, M.P.

Print Media Coverage

राज एक्सप्रेस

अब वेबसाइट पर देखो जमीन के खसरे-नक्शे

भू-अभिलेख विभाग की नई वेबसाइट का प्रमुख सचिव ने किया शुभारंभ

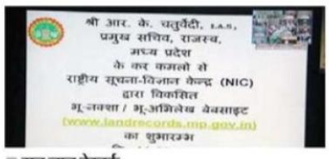

ग्वालियर स्थित भू-अभिलेख विभाग के मुख्यालय द्वारा जमीन के खसरे व नक्शे की जानकारी का वेबसाइट कुछ इस तरह से दिखेगा।

■ राज न्यूज नेटवर्क

ग्वालियर। जमीन के खसरे व अक्श (नक्शा) देखने के लिए अब लोगो को तहसील जाने की जरूरत नहीं रहेगी। भू-स्वामी अब घर बैठे ही और किसी भी समय यह दस्तावेज देख सकते हैं। साथ ही कम्प्यूटर से इनके डिजिटाइज्ड प्रिंट भी निकाल सकते हैं। ग्वालियर स्थित भू-अभिलेख विभाग के मुख्यालय ने इसके लिये नई भू-नक्शा वेबसाइट **www.landrecords.mp.gov.in** तैयार की है। राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव आर के चतुर्वेदी ने बुधवार को भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर एवं कम्प्यूटर का बटन दबाकर इस वेबसाइट का शुभारंभ किया।

तहसील जाने से मिलेगी लोगों को निजात

प्रमुख सचिव चतुर्वेदी ने वेबसाइट से खसरे व अक्श के डिजिटाइ%ड प्रिंट भी निकाल कर देखे। उन्होंने भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त विभाग द्वारा भू-स्वामियों के हित में की गई इस पहल की सराहना की। भोपाल स्थित मंत्रालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में राहत एवं पुनर्वास आयुक्त अजीत केसरी भी इस मौके पर मौजूद थे। आयुक्त भू-अभिलेख राजीव रंजन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रमुख सचिव को जानकारी दी कि इस वेबसाइट पर प्रदेश के 50 जिलों की 360 तहसीलों के लगभग 55 हजार ग्रामों के तकरीबन चार करोड़ भू-खण्डों के खसरा एवं खतौनी उपलब्ध है। 48 जिलों की 301 तहसीलों के 46 हजार ग्रामों के नक्शे भी वेबसाइट पर निःशुल्क देखे जा सकते हैं। ग्वालियर संभाग के अशोकनगर एवं गुना जिले के नक्शे वर्तमान में उपलब्ध नहीं है। इन जिलों के नक्शे अपलोड करने का काम भी जल्द ही पर्ण कर लिया जायेगा।

त्रुटि दिखाई दे तो सुधरवा लें

भू-स्वामियों को यदि वेबसाइट पर उपलब्ध उनकी जमीन के खसरे व खतौनी में कोई त्रुटि दिखाई नजर आए तो वह उसे सुधरवा सकते हैं। इसके लिये संबंधित लोगो जिले के अधीक्षक भू-अभिलेख को आवेदन देना होगा।

मोबाइल पर देखने को मिलेगे खसरा-नक्शा

भू-नक्शा की इस नई वेबसाइट के निर्माण से जुड़े राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी निदेाक राजीव अग्रवाल ने बताया कि जमीन के खसरे व नक्शे मोबाइल फोन पर भी ठीक प्रकार से देखे जा सकते हैं। उन्होंने बताया वेबसाइट तेजी से खुल सकें। इसके लिये इसे एनआईसी के एडवांस सर्वर पर होस्ट किया गया है। साथ ही वेबसाइट को यूनीकोड फोण्ट में तब्दील कर दिया गया। इसलिये हिन्दी फोण्ट डाउनलोड करने की भी जरूरत नहीं रही है।

इन्होंने तैयार की है वेबसाइट

भू-अभिलेख विभाग ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र से तकनीकी सहयोग लेकर यह वेबसाइट तैयार कराई है। वेबसाइट तैयार करने में एनआईसी मुख्यालय नई दिल्ली के विनय ठाकुर, भू-अभिलेख विभाग के सुनील एवं ग्वालियर के नवीन पनिकर व मनोज सिंह चौहान का विशेष सहयोग रहा है।

पीपुल्स समाचार ग्वा. 12 SEP 2013

पहल भू-अभिलेख विभाग की नई वेबसाइट का शुभारंभ, 55 हजार गांवों के नक्शे किए हैं अपलो

क्लिक करें और देखें अपनी जमीन के नक्शे

पीपुल्स संवाददाता ● ग्वालियर
editor@peoplessamachar.co.in

जमीन के खसरे व अक्श (नक्शा) देखने के लिये अब तहसील जाने की जरूरत नहीं रही है। भू-स्वामी अब घर बैठे ही और किसी भी समय यह दस्तावेज देख सकते हैं। साथ ही कम्प्यूटर से इनके डिजिटाइज्ड प्रिंट निकाल सकते हैं। ग्वालियर स्थित प्रदेश सरकार के भू-अभिलेख विभाग के मुख्यालय ने इसके लिये नई भू-नक्शा वेबसाइट तैयार की है। राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव श्री आर के चतुर्वेदी ने बुधवार को भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर एवं कम्प्यूटर का बटन दबाकर इस वेबसाइट का शुभारंभ किया। प्रमुख सचिव श्री चतुर्वेदी ने वेबसाइट से खसरे व अक्श के डिजिटाइज्ड प्रिंट भी निकाल कर देखे। उन्होंने भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त विभाग लारा भू-स्वामियों के हित में की गई इस पहल की सराहना की। भोपाल स्थित मंत्रालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में राहत एवं पुनर्वास आयुक्त अजीत केसरी भी इस मौके पर मौजूद थे।

आयुक्त भू-अभिलेख राजीव रंजन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रमुख सचिव को जानकारी दी कि इस वेबसाइट पर प्रदेश के 50 जिलों की 360 तहसीलों के लगभग 55 हजार ग्रामों के तकरीबन चार करोड़ भू-खण्डों के खसरा एवं खतौनी उपलब्ध हैं। साथ ही 48 जिलों की 301 तहसीलों के 46 हजार ग्रामों के नक्शे भी वेबसाइट पर निःशुल्क देखे जा सकते हैं। ग्वालियर संभाग के अशोकनगर एवं गुना जिले के नक्शे वर्तमान में उपलब्ध नहीं है। इन जिलों के नक्शे अपलोड करने का काम भी जल्द ही पूर्ण कर लिया जायेगा।

त्रुटि दिखाई दे तो सुधरवा लें

भू-स्वामियों को यदि वेबसाइट पर उपलब्ध उनकी जमीन के खसरे व खतौनी में कोई त्रुटि दिखाई दे तो उसे सुधरवा सकते है। इसके लिये संबंधित जिले के अधीक्षक भू-अभिलेख को आवेदन देना होगा।

इन्होंने तैयार की है वेबसाइट

भू-अभिलेख विभाग ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र से तकनीकी सहयोग लेकर यह वेबसाइट तैयार कराई है। वेबसाइट तैयार करने में एनआईसी मुख्यालय नई दिल्ली के विनय ठाकुर, भू-अभिलेख विभाग के सुनील एवं ग्वालियर के नवीन पनिकर व मनोज सिंह चौहान का विशेष सहयोग रहा है।

मोबाइल फोन पर भी देखें खसरा-नक्शा

भू-नक्शा की इस नई वेबसाइट के निर्मा से जुड़े राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक राजीव अग्रवा ने बताया कि जमीन के खसरे व नक्शे मोबाइल फोन पर भी ठीक प्रकार से देख जा सकते हैं। उन्होंने बताया वेबसाइट तेजी से खुल सकें। इसके लिये इसे एनआईसी के एडवांस सर्वर पर होस्ट किया गया है। साथ ही वेबसाइट को यूनीकोड फोण्ट में तब्दील कर दिया गय इसलिये हिन्दी फोण्ट डाउनलोड करने भी जरूरत नही रही है।

क्लिक करें और देखें अपनी जमीन के खसरे-नक्शे

ग्वालियर।

मीन के खसरे व अक्श (नक्शा) खने के लिये अब तहसील जाने की रूरत नहीं रही है। भू-स्वामी अब घर ठे ही और किसी भी समय यह दस्तावेज ख सकते हैं। साथ ही कम्प्यूटर से इनके डिजिटाइज्ड प्रिंट निकाल सकते हैं। वालियर स्थित प्रदेश सरकार के भू-अभिलेख विभाग के मुख्यालय ने इसके लिये नई भू-नक्शा वेबसाइट तैयार की है। राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव श्री आर के चतुर्वेदी ने बुधवार को भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर एवं कम्प्यूटर का बटन दबाकर इस वेबसाइट का शुभारंभ किया। प्रमुख सचिव श्री चतुर्वेदी ने वेबसाइट से खसरे व अक्श के डिजिटाइज्ड प्रिंट भी निकाल कर देखे। उन्होंने भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त विभाग द्वारा भू-स्वामियों के हित में की गई इस पहल की सराहना की। भोपाल स्थित मंत्रालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में राहत एवं पुनर्वास आयुक्त अजीत केसरी भी इस मौके पर मौजूद थे। आयुक्त भू-अभिलेख श्री राजीव रंजन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रमुख सचिव को जानकारी दी कि इस वेबसाइट पर प्रदेश के 50 जिलों की 360 तहसीलों के

भू-अभिलेख विभाग की नई वेबसाइट का प्रमुख सचिव ने किया शुभारंभ

लगभग 55 हजार ग्रामों के तकरीबन चार करोड भू-खण्डों के खसरा एवं खतौनी उपलब्ध है। साथ ही 48 जिलों की 301 तहसीलों के 46 हजार ग्रामों के नक्शे भी वेबसाइट पर निःशुल्क देखे जा सकते है। ग्वालियर संभाग के अशोकनगर एवं गुना जिले के नक्शे वर्तमान में उपलब्ध नहीं है। इन जिलों के नक्शे अपलोड करने का काम भी जल्द ही पूर्ण कर लिया जायेगा।

त्रुटि दिखाई दे तो सुधरवा लें

भू-स्वामियों को यदि वेबसाइट पर उपलब्ध उनकी जमीन के खसरे व खतौनी में कोई त्रुटि दिखाई दे तो उसे सुधरवा सकते हैं। इसके लिये संबंधित जिले के अधीक्षक भू-अभिलेख को आवेदन देना होगा।

मोबाइल फोन पर भी देखें खसरा-नक्शा

भू-नक्शा की इस नई वेबसाइट के निर्माण से जुडे राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक श्री राजीव अग्रवाल ने बताया कि जमीन के खसरे व नक्शे मोबाइल फोन पर भी ठीक प्रकार से देखे जा सकते हैं। उन्होंने बताया वेबसाइट तेजी से खुल सके। इसके लिये इसे एनआईसी के एडवांस सर्वर पर होस्ट किया गया है। साथ ही वेबसाइट को यूनीकोड फोण्ट में तब्दील कर दिया गया। इसलिये हिन्दी फोण्ट डाउनलोड करने की भी जरूरत नहीं रही है।

इन्होंने तैयार की है वेबसाइट

भू-अभिलेख विभाग ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र से तकनीकी सहयोग लेकर यह वेबसाइट तैयार कराई है। वेबसाइट तैयार करने में एनआईसी मुख्यालय नई दिल्ली के श्री विनय ठाकुर, भू-अभिलेख विभाग के श्री सुनील एवं ग्वालियर के श्री नवीन पनिकर व श्री मनोज सिंह चौहान का विशेष सहयोग रहा है।

जागरण ग्वालियर 12 SEP 2013

क्लिक करें और देखें अपनी जमीन के खसरे-नक्शे

भू-अभिलेख विभाग की नई वेबसाइट का प्रमुख सचिव ने किया शुभारम्भ

ग्वालियर

जमीन के खसरे व अक्श (नक्शा) देखने के लिये अब तहसील जाने की जरूरत नहीं रही है। भू-स्वामी अब घर बैठे ही, और किसी भी समय यह दस्तावेज देख सकते हैं। साथ ही कम्प्यूटर से इनके डिजिटाइज्ड प्रिंट निकाल सकते हैं। ग्वालियर स्थित प्रदेश सरकार के भू-अभिलेख विभाग के मुख्यालय ने इसके लिये नई भू-नक्शा वेबसाइट तैयार की है। राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव आर के चतुर्वेदी ने बुधवार को भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर एवं कम्प्यूटर का बटन दबाकर इस वेबसाइट का शुभारंभ किया।

प्रमुख सचिव चतुर्वेदी ने वेबसाइट से खसरे व अक्श के डिजिटाइज्ड प्रिंट भी निकाल कर देखे। उन्होंने भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त विभाग द्वारा भू-स्वामियों के हित में की गई इस पहल की सराहना की। भोपाल स्थित मंत्रालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में राहत एवं पुनर्वास आयुक्त अजीत केसरी भी इस मौके पर मौजूद थे।

आयुक्त भू-अभिलेख राजीव रंजन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रमुख सचिव को जानकारी दी कि इस वेबसाइट पर प्रदेश के 50 जिलों की 360 तहसीलों के लगभग 55 हजार ग्रामों के तकरीबन चार करोड़ भू-खण्डों के खसरा एवं खतौनी उपलब्ध हैं। साथ ही 48 जिलों की 301 तहसीलों के 46 हजार ग्रामों के नक्शे भी वेबसाइट पर निःशुल्क देखे जा सकते हैं। ग्वालियर संभाग के अशोकनगर एवं गुना जिले के नक्शे वर्तमान में उपलब्ध नहीं हैं। इन जिलों के नक्शे अपलोड करने का काम भी जल्द ही पूर्ण कर लिया जायेगा।

त्रुटि दिखाई दे तो सुधरवा लें

भू-स्वामियों को यदि वेबसाइट पर उपलब्ध उनकी जमीन के खसरे व खतौनी में कोई त्रुटि दिखाई दे तो उसे सुधरवा सकते हैं। इसके लिये संबंधित जिले के अधीक्षक भू-अभिलेख को आवेदन देना होगा।

मोबाइल फोन पर भी देखें खसरा-नक्शा

भू-नक्शा की इस नई वेबसाइट के निर्माण से जुड़े राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक राजीव अग्रवाल ने बताया कि जमीन के खसरे व नक्शे मोबाइल फोन पर भी ठीक प्रकार से देखे जा सकते हैं। उन्होंने बताया वेबसाइट तेजी से खुल सकें। इसके लिये इसे एनआईसी के एडवांस सर्वर पर होस्ट किया गया है। साथ ही वेबसाइट को यूनीकोड फोण्ट में तब्दील कर दिया गया। इसलिये हिन्दी फोण्ट डाउनलोड करने की भी जरूरत नहीं रही है।

इन्होंने तैयार की है वेबसाइट

भू-अभिलेख विभाग ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र से तकनीकी सहयोग लेकर यह वेबसाइट तैयार कराई है। वेबसाइट तैयार करने में एनआईसी मुख्यालय नई दिल्ली के विनय ठाकुर, भू-अभिलेख विभाग के श्री सुनील एवं ग्वालियर के नवीन पनिकर व मनोज सिंह चौहान का विशेष सहयोग रहा है।

दै. राष्ट्रीय हिन्दी मेल ग्वा. 12 SEP 2013

क्लिक करें और देखें अपनी जमीन के खसरे-नक्शे

भू-अभिलेख विभाग की नई बेवसाइट की जानकारी देते अधिकारी।

ग्वालियर। जमीन के खसरे व अक्श (नक्शा) देखने के लिए अब तहसील जाने की जरूरत नहीं रही है। भू-स्वामी अब घर बैठे ही और किसी भी समय यह दस्तावेज देख सकते हैं। साथ ही कम्प्यूटर से इनके डिजिटाइज्ड प्रिंट निकाल सकते हैं। ग्वालियर स्थित प्रदेश सरकार के भू-अभिलेख विभाग के मुख्यालय ने इसके लिए नई भू-नक्शा वेबसाइट तैयार की है। राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव आर के चतुर्वेदी ने बुधवार को भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर एवं कम्प्यूटर का बटन दबाकर इस वेबसाइट का शुभारंभ किया।

भू-अभिलेख विभाग की नई वेबसाइट का प्रमुख सचिव ने किया शुभारंभ

प्रमुख सचिव चतुर्वेदी ने वेबसाइट से खसरे व अक्श के डिजिटाइज्ड प्रिंट भी निकाल कर देखे। उन्होंने भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त विभाग द्वारा भू-स्वामियों के हित में की गई इस पहल की सराहना की। भोपाल स्थित मंत्रालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में राहत एवं पुनर्वास आयुक्त अजीत केसरी भी इस मौके पर मौजूद थे। साथ ही 48 जिलों की 301 तहसीलों के 46 हजार ग्रामों के नक्शे भी वेबसाइट पर नि:शुल्क देखे जा सकते हैं। ग्वालियर संभाग के अशोकनगर एवं गुना जिले के नक्शे वर्तमान में उपलब्ध नहीं है। इन जिलों के नक्शे अपलोड करने का काम भी जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा।

त्रुटि दिखाई दे तो सुधरवा लें

भू-स्वामियों को यदि वेबसाइट पर उपलब्ध उनकी जमीन के खसरे व खतौनी में कोई त्रुटि दिखाई दे तो उसे सुधरवा सकते हैं। इसके लिए संबंधित जिले के अधीक्षक भू-अभिलेख को आवेदन देना होगा।

इन्होंने तैयार की है वेबसाइट

भू-अभिलेख विभाग ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र से तकनीकी सहयोग लेकर यह वेबसाइट तैयार कराई है। वेबसाइट तैयार करने में एनआईसी मुख्यालय नई दिल्ली के विनय ठाकुर, भू-अभिलेख विभाग के सुनील एवं ग्वालियर के नवीन पनिकर व मनोज सिंह चौहान का विशेष सहयोग रहा है।